CavinKare
Making Lives Happier

ABILITY FOUNDATION
Looking Beyond Disabilities & Breaking Barriers Together

PRESS RELEASE

केविनकेयर और एबिलिटी फाउंडेशन ने 16वें केविनकेयर एबिलिटी अवार्ड्स 2018 में उपलब्धि अर्जित करने वाले विकलांग जनों को सम्मानित किया

देशभर से छह लोग सम्मानित किये गये

चेन्नई, 3 फरवरी, 2018: विविधतापूर्ण एफएमसीजी समूह केविनकेयर प्रा. लि. और राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन एबिलिटी फाउंडेशन ने आज केविनकेयरएबिलिटी अवार्ड्स 2018 के 16वें संस्करण में 6 विकलांग जनों को उनकी उपलब्धियों के लिये सम्मानित किया। सर मुथा वेंकटसुब्बा राव ऑडिटोरियम में आयोजित पुरस्कार समारोह में विकलांग जनों की उत्कृष्ट सफलता और जीत को सम्मानित एवं प्रदर्शित किया गया।

इस शाम की शुरूआत प्रसिद्ध रैपर ब्लाज़े के रैप गीत से हुई, जो कि इस शाम के मेजबान भी थे। उन्होंने अपने शुरूआत रैप को सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत किया। विख्यात अभिनेता/ डांसर विनीत ने अपने नृत्य से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

इसके बाद पुरस्कार विजेताओं ने हॉल में उपस्थित सभी दर्शकों को प्रेरित और रोमांचित किया। यह 6 विकलांग जन थे, जिन्होंन कई बाधाओं, संघर्षों, परीक्षाओं और पीड़ाओं से गुजरकर इन ऊँचाइयों को छूआ। दर्शकों को इनके बारे में जानने और इनकी उपलब्धियों की प्रशंसा करने का अवसर मिला। इस शाम को जोरदार समापन हुआ और पुरस्कार विजेताओं और दर्शकों को बड़ी प्रेरणा मिली और वह सशक्त हुए।

अपनी 16 वर्षों की यात्रा में केविनकेयर एबिलिटी अवार्ड्स ने विकलांग जनों की प्रशंसनीय उपलब्धियों को सराहा है। अब तक 80 से अधिक लोगों ने यह पुरस्कार प्राप्त किये हैं और विकलांगता के प्रति समाज की सोच बदली है।

यह राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार हैं, जिनकी परिकल्पना श्री सी.के. रंगनाथन, मुख्य प्रबंध निदेशक, केविनकेयर प्रा. लि. और एबिलिटी फाउंडेशन की संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक सुश्री जयश्री रवीन्द्रन ने विकलांग जनों की प्रतिभा के प्रदर्शन के लिये की थी। यह पुरस्कार उन विकलांग जनों की उपलब्धियों को प्रकाश में लाते हैं, जिन्होंने बाधाओं को दूर कर अपने सपनों को साकार किया।

इस वर्ष के संस्करण के बारे में **केविनकेयर प्रा. लि. के मुख्य प्रबंध निदेशक श्री सी.के. रंगनाथन** ने कहा, '' केविनकेयर एबिलिटी अवार्ड्स प्रत्येक वर्ष हमें प्रेरित करते हैं, जिनमें अत्यंत प्रतिभावान लोग कल्पना से परे प्रदर्शन करते हैं। यह यात्रा सोलह वर्ष पहले आरंभ हुई थी, जिसका लक्ष्य उन लोगों को सराहना था, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से लोगों को चौंकाया है। आज हम इस मंच के माध्यम से ऐसे लोगों को सम्मानित कर रहे हैं, जिससे हमें खुशी मिल रही है। केविनकेयर एबिलिटी अवार्ड्स ने हम सभी को बताया है कि स्वयं पर विश्वास करना ही सफलता की कुंजी है।''

एबिलिटी फाउंडेशन की संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक सुश्री जयश्री रवीन्द्रन ने कहा, ''हम हमेशा से यह मानते हैं कि भारत को विकलांगता पर विचार करना चाहिये, ताकि इसके प्रति आम लोगों के विचारों में बदलाव लाया जा सके। यह पुरस्कार हमारे लक्ष्य की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। यह पुरस्कार देना भी चुनौती भरा है, क्योंकि इसके लिये निर्णायकों को बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

निर्णायक मंडल के सदस्य भी संवेदनशील हो जाते हैं। प्रत्येक वर्ष यह पुरस्कार देना अपने आप में काफी चुनौती भरा और प्रेरक है।''

हर साल निर्णायक मंडल का पैनल जिसमें सभी क्षेत्रों से राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित व्यक्ति शामिल होते हैं, चयनित नामितों की फिल्मों एवं क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की रिपोर्ट को शॉर्टलिस्ट करते हैं और फिर प्राप्तिकर्ताओं का चयन किया जाता है।

नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत कार्यक्रम से तीन महीने पूर्व शुरू हो जाती है। इसे सभी राष्ट्रीय मीडिया में घोषणाओं एवं सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से अंजाम दिया जाता है। इसके बाद प्राप्त नामांकनों की सख्त जांच की जाती है और फिर उनके कठिनाई स्तर, विपरीत परिस्थितियों में जीत एवं किये गये कार्य के अनूठेपन के आधार पर चयन किया जाता है।

यह पुरस्कार दो श्रेणियों : एमिनेंस एवं मास्टरी में प्रदान किये जाते हैं।

एमिनेंस पुरस्कार देश के सिर्फ एक विकलांग व्यक्ति को ही दिया जाता है। इस पुरस्कार से एक ऐसे विकलांग जन को सम्मानित किया जाता है, जिसने उपलब्धि प्राप्त करने के लिए बहुत बड़ी कठिनाईयों को पार किया हो और साथ ही जिसने अपनी किसी संस्था की शुरुआत करके समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। इस पुरस्कार के अंतर्गत एक प्रशस्ति पत्र, एक ट्रॉफी और 2 लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की जाती है।

मास्टरी पुरस्कार तीन या चार अलग–अलग लोगों को प्रदान किये जाते हैं। यह पुरस्कार उनके पसंद के किसी भी क्षेत्र में प्राप्त की गई असाधारण उपलब्धि को सम्मानित करने के लिये दिया जाता है। इसके अंतर्गत पुरस्कार के प्राप्त कर्ताओं को एक प्रशस्ति पत्र, एक ट्रॉफी और एक–एक लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की जाती है।

केविनकेयर एबिलिटी स्पेशल रिकॉग्निशन अवार्ड, पुरस्कार की एक अन्य श्रेणी है। यह पुरस्कार ऐसे किसी विकलांग व्यक्ति को दिया जाता है, जो व्यक्तिगत अथवा संगठनात्मक रूप से असाधारण उपलब्धियों के साथ विकलांगता क्षेत्र के जाने–माने प्रेरणा दायक नेतृत्वकर्ता है। यह पुरस्कार प्रेरणा प्रदान करने के लिये प्रदान किया जाता है और अवार्ड्स में विशेष उल्लेख के योग्य है। यह एक मानद पुरस्कार है और इसके तहत प्रशस्ति–पत्र और ट्रॉफी दी जाती है।

इस साल के उपलब्धिकर्ता हैं :

केविनकेयर स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड:
डॉ. श्रुति मोहापात्रा
भुवनेश्वर, उड़ीसा
डॉ. श्रुति मोहापात्रा ने हमेशा विकलांग जनों के अधिकारों के लिये काम किया है। वे विकलांग जनों की जानकारी और संसाधन केंद्र स्वाभिमान की संस्थापक और सीईओ हैं। उनके दिमाग की उपज अंजली, एक समावेशी और मजेदार लर्निंग प्रोजेक्ट है। उन्होंने कई अनूठे कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयारी की, जैसे साधना और स्वालंबन। दुर्घटना के कारण उन्हें जिस समय क्वाड्रिप्लेजिया हो गई, उस समय वह पढ़ाई और खेल दोनों में ही बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही थीं। उसके बाद भी उन्हें कोई बाधा रोक नहीं पाई, उन्होंने अपना पीएचडी पूरा किया। उन्होंने 100 से भी अधिक आलेख और कई किताबें लिखीं और वह कई महत्वपूर्ण सरकारी और सिविल सोसाइटी की सदस्य हैं।

केविनकेयर अवॉर्ड फॉर एमिनेंस:

महंतेश गट्टीवालप्पा किवदसाननवार
बेंगलुरू, कर्नाटक
महंतेश जी.के. समर्थनम के संस्थापक और मैनेजिंग ट्रस्टी हैं, जोकि नेत्रहीनों, विकलांग जनों और वंचित लोगों के लिये काम करता है। समर्थनम पहल के अंतर्गत समावेशी और सबकी पहुंच में शिक्षा, कौशल निर्माण, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विकास शामिल है। इसके साथ ही ब्लाइंड क्रिकेट को बढ़ावा देने की पहल भी शामिल है। महंतेश एक क्रिकेट खिलाड़ी हैं और भारत में ब्लाइंड के लिये क्रिकेट एसोसिएशन और वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट लिमिटेड के प्रेसिडेंट हैं। साथ ही वह बी केयर के संस्थापक हैं, जोकि एड्स से बचाव की दिशा में काम करता है। और एचआईवी/एड्स के साथ जीवन व्यतीत करते लोगों का पुनर्वास करता है।

केविनकेयर एबिलिटी मास्टरी अवॉर्ड्सः
राजू रामेश्वर उपराडे
पुणे महाराष्ट्र
राजू रामेश्वर उपराडे टीआईएफआर के जायंट मीटरवेव रेडियो टेलिस्कोप में बतौर इंजीनियर काम करते हैं। वह एक कवि और लेखक दोनों हैं। राजू को जन्म से एकॉन्ड्रोप्लेजिया है। उसकी वजह से उनका आकार बढ़ नहीं पाया और उन्हें स्पाइन और लंग्स से संबंधित परेशानियां हो गई। उनकी विकलांगता, वित्तीय बाधाएं या अस्वीकार्यता भी उन्हें रोक नहीं पाई। उन्होंने सूचना तकनीकी में बी.ई की डिग्री हासिल की, वह यूनिवर्सिटी के टॉपर थे और आज एक सफल प्रोफेशनल हैं।

गौरी शेखर गाडगिल
पुणे महाराष्ट्र
गौरी ने एक सफल मराठी फिल्म 'यलो' में अभिनय किया है। उन्हें इस फिल्म के लिये बाल कलाकार के तौर पर नेशनल स्पेशल मेंशन जूरी अवॉर्ड प्रदान किया गया। डाउन सिंड्रोम से ग्रस्त गौरी ने कई स्पेशल ओलिंपिक्स अवॉर्ड जीते हैं और सारे डिसिप्लीन में राष्ट्रीय स्तर की तैराक रही हैं। हाल ही में उन्होंने यूपीआईएम बायएथेली वर्ल्ड टूर 2016 में गोल्ड मैडल जीता है। साथ ही वह एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम डांसर हैं और उन्होंने समाजशास्त्र में अपना स्नातक पूरा किया है।

जस्मीना खन्ना
मुंबई, महाराष्ट्र
जस्मीना खन्ना के शैक्षणिक उपलब्धियों और एक सफल कॅरियर के रास्ते में सेरेब्रल पाल्सी या सामाजिक रुकावटें कभी बाधा नहीं बनीं। उन्होंने अच्छे अंकों के साथ अपना स्कूल पूरा किया, राजनीतिशास्त्र में उन्होंने बैचलर्स डिग्री हासिल की और समाजशास्त्र में एम.ए किया। इससे पहले उन्होंने कम्प्यूटर्स की ओर रुख किया और कई सारे प्रमाणपत्र हासिल किये। वह पिछले सात सालों से सिंटेल इंडिया में काम कर रही हैं। एक जुनूनी लेखिका होने के साथ–साथ जस्मीना विकलांग जनों से जुड़े मुद्दों पर भी काम करने के लिये प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. रोशन जवाद शेख
मुंबई, महाराष्ट्र
एक रेल दुर्घटना की वजह से डॉ. रोशन जवाद शेख अपंग हो गईं। उन्होंने अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास बनाये रखा, वह शिक्षा में बहुत अच्छा कर रही थीं और एक डॉक्टर बनना चाहती थीं। उनकी अपंगता 70 प्रतिशत से अधिक होने के आधार पर जब मेडिकल कौंसिल ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया तो उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने उनके पक्ष में निर्णय दिया

और आज वह एक डॉक्टर हैं। एक सर्जन बनने की चाहत के साथ, अब वह अपना पोस्ट ग्रेजुएशन करने की तैयारियों में लगी हैं।

<u>केविनकेयर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :</u>

केविनकेयर प्राइवेट लिमिटेड एक विविधीकृत एफएमसीजी कंपनी है, जो मुख्य रुप से व्यवसाय के अलग–अलग क्षेत्रों में संलग्न है, जैसे पर्सनल केयर, प्रोफेशनल केयर, डेयरी, स्नैक्स, फूड्स, पेय पदार्थ और सैलून। ब्रांड के पोर्टफोलियो में शैंपू (चिक, मीरा, कार्तिक एवं नाइल), हेयर वॉश पावडर्स (मीरा और कार्तिक), नारियल तेल (मीरा), फेयरनेस क्रीम (फेयरएवर), डियोडरेंट और टैल्क (स्पिंज), अचार और नमकीन (रूचि, चिन्नीज और गार्डेन), हेयर कलर्स (इंडिका), रीटेल सैलून उत्पाद (रागा प्रोफेशनल्स) पेय पदार्थ (मां), डेयरी (केविन्स) और ब्यूटी सैलून्स (ग्रीन ट्रेंड्स और लाइमलाइट) शामिल हैं। कंपनी के अधिकतर ब्रांड अपने क्षेत्र में अग्रणी हैं।

आधुनिक साजों–सामान और तकनीक के साथ एक समर्पित शोध और विकास केंद्र इन प्रभागों के प्रयत्नों में मदद पहुंचा रहा है। वर्तमान में कंपनी का टर्नओवर 1450 करोड़ रूपये से अधिक है। केविनकेयर ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को हासिल किया है और मास मार्केटिंग डायनैमिक्स की ठोस समझ के साथ प्रतिस्पर्धी धार हासिल की है। इसने भारतीय बाजार में अपने आप को मजबूती से स्थापित किया है।

केविनकेयर की कामयाबी के पीछे इसके कॉर्पोरेट लक्ष्य के प्रति मजबूत आस्था है – 'हम लगातार अनोखे उत्पादों और सेवाओं की पेशकश के द्वारा विकास हासिल करेंगे, ताकि ग्राहकों को संपूर्ण संतुष्टि मिले और लोग इसे एक आदर्श कंपनी के रूप में पहचानें'।

केविनकेयर प्राइवेट लिमिटेड
केविनविल, 12,
सीनोटैफ रोड, चेन्नई 18.
टेलीफोन : 91 44 2431 7550
फैक्स : 91 44 2436 2879
www.cavinkare.com

<u>एबिलिटी फाउंडेशन के विषय में:</u>

एबिलिटी फाउंडेशन की स्थापना 1995 में की गई थी। इसका दर्शन अपने समय से काफी आगे था। वर्तमान में एबिलिटी फाउंडेशन नेशनल क्रॉस डिसैबिलिटी अम्ब्रेला संस्थान के तौर पर विख्यात है जिसने देश भर में हरेक विकलांग के लिए एक समान समाज बनाने की दिशा में काम किया है।

इसका मुख्यालय चेन्नई में स्थित है। फाउंडेशन विकलांग जनों के सशक्तिकरण एवं सामर्थ्य पर फोकस करता है और विकलांग जनों एवं सामान्य जनों के बीच की रिक्ति घटाने के लिए आगे बढ़ रहा है।

एबिलिटी फाउंडेशन के संलग्न्ता के क्षेत्रों में समावेशी शिक्षा का सूचना प्रसार, वकालत, प्रचार, कार्यस्थल में विविधता, अधिकार एवं सार्वजनिक नीति शामिल हैं। इनके लिए, एबिलिटी फाउंडेशन की गतिविधियों में प्रकाशन से लेकर रोजगार, मीडिया, संस्कृति, नीति का कार्यान्वयन, विधि एवं मानव अधिकार शामिल हैं।

एबिलिटी फाउंडेशन इस दृढ़ धारणा पर कार्य करता है कि विकलांगता स्वयं में इतनी बड़ी बाधा नहीं है। विकलांगता से बड़ी बाधा मानव–निर्मित बाधायें एवं उनका नजरिया है। सही समय पर सही अवसर प्रदान करना और एक सभी को समान अवसर प्रदान करने से काफी कुछ संभव हो सकता है। इन सबके लिए खुले दिमाग की जरूरत पड़ती है।

एबिलिटी फाउंडेशन
4, थर्ड क्रॉस स्ट्रीट
राधाकृष्णन नगर, तिरुवनमियुर
चेन्नई41 | 91 44 2452 0016
ability@abilityfoundation.org
www.abilityfoundation.org

आरएसवीपी :
पवित्र लक्ष्मणन, +91 98409 96840 | pavithra@brand-comm.com